भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2937 का उत्तर

दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे

2937. श्री राजू बिष्टः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर), जो कि यूनेस्को द्वारा अनुमोदित एक विश्व धरोहर स्थल है और डीएचआर के साथ संबद्ध सभी परिसंपत्तियों को विश्व धरोहर संपत्ति के रूप में विकसित करने का विचार रखती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्सियांग रेलवे प्रेस, जो कि यूनेस्को विश्व धरोहर का एक अभिन्न अंग है, को बंद करने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार द्वारा उपर्युक्त निर्णय पर पुनर्विचार किए जाने और दार्जिलिंग विश्व धरोहर के इस महत्वपूर्ण हिस्से के पुनरुद्धार में सहायता किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) के लिए एक व्यापक संरक्षण प्रबंधन योजना (सीसीएमपी) को विकसित करने के लिए 20.01.2017 को यूनेस्को के साथ एक फंड-इन-ट्रस्ट (एफआईटी) समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(ख): टिकटिंग के लिए अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस), स्वचालित टिकट वेडिंग मशीनें (एवीटीएम) और ई-टिकटों और ऑनलाइन फार्मों का व्यापक प्रयोग, आदि जैसी भारतीय रेल पर विभिन्न गतिविधियों के डिजिटलाइज़ेशन के साथ प्रिंटिंग प्रेस में कार्ड टिकटों और सामान्य फार्मों की छपाई की आवश्यकता कम हो गई है, जिससे अलाभकारी कुर्सियाँग में एक प्रिंटिंग प्रेस सहित 09 प्रिंटिंग प्रेस को बंद किया जा रहा है।

(ग) और (घ): कुर्सियाँग में रेलवे प्रिंटिंग प्रेस को पुन: शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

****

mm